प्राथमिक अंग्रेज़ी

लेखन कौशल का विकास और अनुश्रवण

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

BY SA
http://creativecommons.org/licenses/

संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

समीक्षा एवं दिशाबोध
डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्
डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार
श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार

स्थानीयकरण
भाषा और शिक्षा
डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली
श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान
श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना
श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा
प्राथमिक अंग्रेज़ी
श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा
श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग
श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा
श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना
माध्यमिक अंग्रेज़ी
श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर
डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना
प्राथमिक गणित
श्री कृष्ण कान्त ठाकुर
श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा
श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण
माध्यमिक गणित
डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट
श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर
श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली
प्राथमिक विज्ञान
श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर
श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर
श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा
माध्यमिक विज्ञान
श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद
श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली

TESS-India (Teacher Education Through School Based Support) का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र–केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं। ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्र–छात्राओं के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल हैं। ये *भारतीय तथा अतंर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार किये गये हैं और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in)।* मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।

वीडियो संसाधन

इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है: *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।

TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।

संस्करण 2.0 EE14 v2
Bihar

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है:
http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/

TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government

यह इकाई किस बारे में है

यह इकाई उन कार्यनीतियों से संबंधित है, जिनका उपयोग आप अपनी कक्षा में अंग्रेज़ी लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए कर सकते हैं। यह मुख्य रूप से संघटन और ड्राफ्टिंग में आपके छात्र–छात्राओं की सहायता करने पर केंद्रित है। बेशक, वर्तनी, हस्तलेख और विराम-चिह्न भी महत्त्वपूर्ण हैं। लेकिन जब छात्र–छात्रा इस बारे में अपने विचारों की ड्राफ्टिंग और संघटन कर रहे हों कि उन्हें किस बारे में लिखना चाहिए, तो वे उसी समय यांत्रिक कौशल भी सीख रहे होंगे।

लेखन का उद्देश्य होता है कि इसे पढ़ा जाए, इसलिए लेखन पर ध्यान केंद्रित करने में पठन पर ध्यान केंद्रित करना भी हमेशा ही शामिल रहेगा। जब आप और आपके छात्र–छात्रा लेखन के बारे में बात करते हैं, तो आप उनके मौखिक भाषा कौशल भी विकसित करते हैं।

आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- अपने छात्र–छात्राओं के साथ सदुपयोग के लिए रचना और लेखों को, पाठ्य सामग्री को एक लिपि से दूसरी लिपि में बदलने की ज़रूरत को समझना ताकि भावार्थ न बदले।
- अपने छात्र–छात्राओं के लिए विभिन्न विषयों (topics) पर लेखन की गतिविधियों की योजना तैयार करना।
- अपने छात्र–छात्राओं की अंग्रेज़ी वर्तनी (English Spelling) के प्रयासों का मूल्यांकन करना।

1 रचना और एक लिपि से दूसरी लिपि में बदलाव

अपने लिए एक गतिविधि में लेखन की दो मुख्य प्रक्रियाओं के बारे में विचार के साथ शुरुआत करें: संघटन और लिप्यंतरण।

किसी भी भाषा में, लेखन की प्रक्रिया में मन में विचारों को बाहर लाकर कागज़ पर उतारना शामिल होता है। लेखन के दो पहलू होते हैं:

- **संघटन:** एक लेखन भूमिका जिसमें विचार प्राप्त करना, लिखित पठन सामग्री के स्वरूप को तय करना (कविता, कहानी, रिपोर्ट, रेसिपी, निर्देशों का समूह आदि), इस लेखन को कौन और क्यों पढ़ेगा, इस बारे में सोचना शामिल होता है। विषय तैयार करना संघटन का एक महत्त्वपूर्ण भाग होत है। कुछ भी लिखने का पहला प्रयास शायद ही कभी अचूक होता है।
- **लिप्यंतरण:** एक सचिवीय भूमिका जिसमें इस बात पर ध्यान देना शामिल होता है कि लेखन किस प्रकार प्रस्तुत किया जाता है, ताकि दूसरे लोग इसे पढ़ और समझ सकें। इसमें हस्तलेखन, स्पेलिंग, विराम चिह्न और सामान्य लेआउट जैसे पहलू शामिल होते हैं। लिप्यंतरण में, लेखक एक अंतिम ड्राफ्ट से एक पूर्ण आलेख तक कार्य कर सकता है।

जब छात्र–छात्रा अंग्रेज़ी में या किसी भी भाषा में लिखना शुरू करते हैं, तो उन्हें एक ही समय पर संघटन और लिप्यंतरण दोनों को नियंत्रित करने, और इनमें से प्रत्येक में समान उत्कृष्टता के साथ प्रदर्शन करने में कठिनाई हो सकती है। जब छात्र–छात्रा लेखन अंश के लिए विचार प्राप्त करने पर केंद्रित हों, तो हो सकता है कि वे संबंधित शब्दों की सही स्पेलिंग न बता पाएँ; जब उनका ध्यान शब्दों की सही स्पेलिंग पर केंद्रित होता है, तो कहानी या कविता के लिए उनके विचार कम रचनात्मक हो सकते हैं।

ज़रा सोचिए

- जब आप अपने छात्र–छात्राओं को अंग्रेज़ी सिखाते हैं, तो मुख्य रूप से ध्यान किस पर केंद्रित होता है – संघटन या लिप्यंतरण?
- क्या आपने देखा है कि छात्र–छात्राओं को संघटन और लिप्यंतरण दोनों को नियंत्रित करने में कठिनाई होती है? इससे उबरने में उनकी मदद करने के लिए आप किन अध्यापन तकनीकों का उपयोग करते हैं?

- आप अपने छात्र–छात्राओं को उनके विचारों का मसौदा अंग्रेज़ी में लिखने के लिए कौन-से अवसर देते हैं?

केस स्टडी 1 में, एक शिक्षक संघटन और ड्राफ्टिंग पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

केस स्टडी 1: श्री नरेश ड्राफ्टिंग को प्रोत्साहित करते हैं

श्री नरेश गया के बाहर एक गाँव के स्कूल में कक्षा छः के छात्र–छात्राओं को अंग्रेज़ी सिखाते हैं।

मैंने बोर्ड पर एक व्यक्ति का चित्र बनाया। छात्र–छात्राओं को सोचने के लिए प्रेरित करने हेतु मैंने उनसे कुछ प्रश्न पूछे, जैसे 'यह कौन है?' और 'यह कहाँ रहता है?' मैंने छात्र–छात्राओं को इस बात के लिए प्रोत्साहित किया कि वे उस व्यक्ति की रूपरेखा के बारे में मुझसे और प्रश्न पूछें। उन्होंने अपने विचार प्रस्तुत किए, जैसे 'वह क्या काम करता है?' और 'उसे क्या पसंद है?'

उन्होंने तय किया कि यह आकृति विद्यालय के रसोइये, रमेश की है। मैंने छात्र–छात्राओं से कहा कि वे तय करें कि प्रश्नों का उत्तर कैसे देना है। मैंने चित्र के बारे में उनके कुछ सुझाव बोर्ड पर लिखे।

मैंने उनसे कहा कि वे अपने स्वयं के वाक्य अपनी कॉपियों में लिखें [चित्र 1]। इन विषयों से, छात्र–छात्राओं ने रमेश के व्यक्तित्व का वर्णन किया।

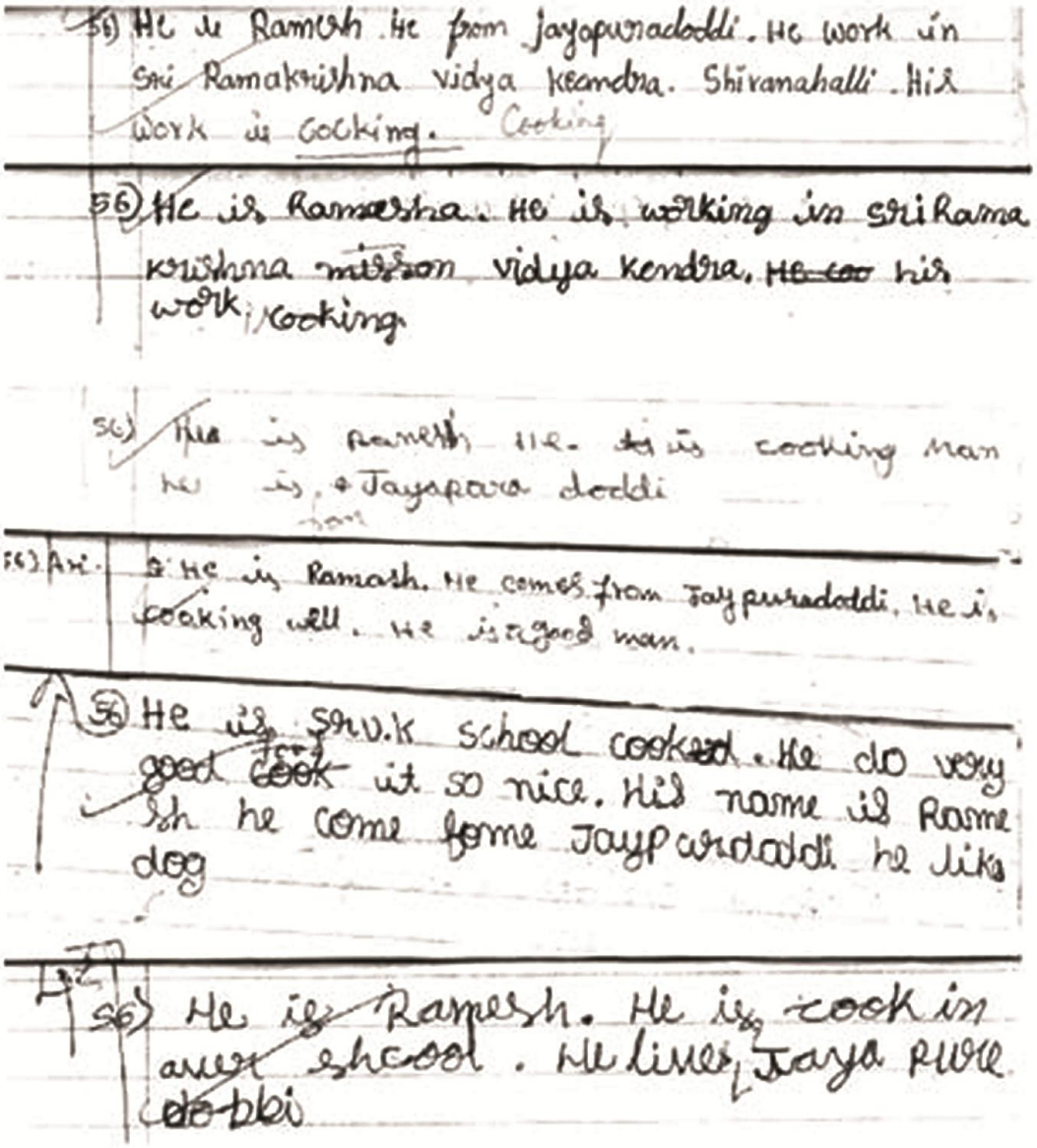

चित्र 1: रमेश के बारे में श्री नरेश के छात्र–छात्राओं के लेखन का एक नमूना।

ज़रा सोचिए

- छात्र–छात्राओं ने रमेश के बारे में जो वाक्य लिखे थे, उन्हें ध्यान से देखें। हालांकि कक्षा के साथ मिलकर उत्तरों पर चर्चा की थी, लेकिन प्रत्येक छात्र ने रमेश के बारे कुछ अलग तरीके से लिखा था। इससे अंग्रेज़ी में लिखने की उनकी क्षमता के बारे में क्या पता चलता है?
- आपको क्यों लगता है कि श्री नरेश ने उनके ड्राफ्ट लेखन में केवल छोटे-मोटे सुधार ही किए थे?
- श्री नरेश ने इस गतिविधि में संघटन और लिप्यंतरण की मांगों के बीच किस प्रकार संतुलन बनाया है?

श्री नरेश स्वतंत्रता दिवस समारोह के बारे में लिखने के लिए छात्र–छात्राओं के विचारों का मसौदा तैयार करने में मदद के लिए भी इसी प्रकार की विधि का उपयोग करते हैं। उन्होंने उन्हें एक आरेख दिया और उनसे प्रत्येक बॉक्स में वाक्य लिखने को कहा (चित्र 2)।

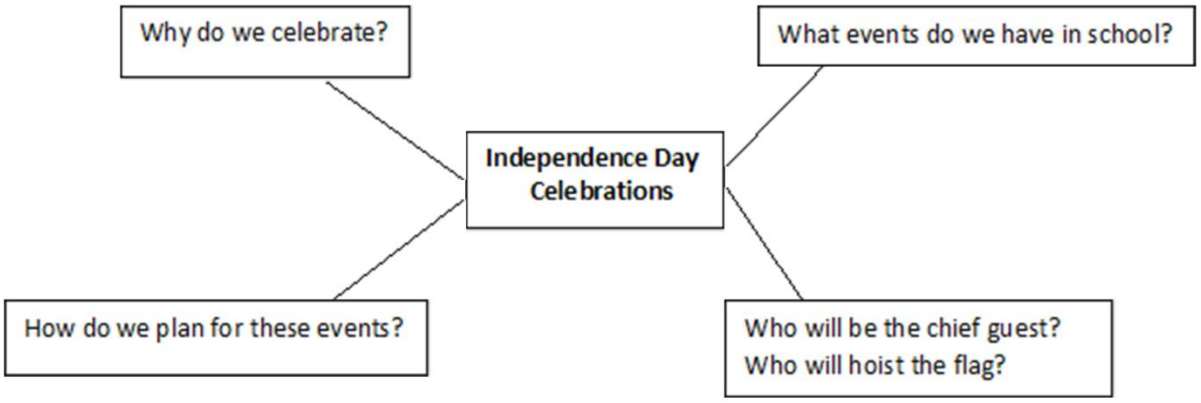

चित्र 2: स्वतंत्रता दिवस के बारे में श्री नरेश के प्रश्न।

क्या आपको लगता है कि आप इस आरेख का उपयोग कर सकते हैं, ताकि आपके छात्र–छात्रा अन्य विषयों पर लिखना शुरू करें?

गतिविधि 1: ड्राफ्टिंग –एक योजना–निर्माण गतिविधि को प्रोत्साहित करना

एक मार्गदर्शिका के रूप में केस स्टडी 1 से श्री नरेश का उदहारण लेकर, अपने छात्र–छात्राओं के लिए एक ड्राफ्टिंग गतिविधि की योजना बनाएँ।

इसका विषय आपकी पाठ्यपुस्तक से लिया जा सकता है, विज्ञान या इतिहास जैसे विषय का कोई प्रकरण हो सकता है, या वास्तविक-जीवन की किसी स्थिति के बारे में हो सकता है। अंग्रेज़ी में वाक्यों का मसौदा तैयार करने में छात्र–छात्राओं की मदद करने के लिए आप निर्देश मौखिक रूप से दे सकते हैं या चित्र 2 के समान एक आरेख का उपयोग कर सकते हैं।

ड्राफ्टिंग में, ध्यान संघटन पर केंद्रित किया जाता है, लिप्यंतरण पर नहीं। अपने छात्र–छात्राओं को बताएँ कि उन्हें पहले सिलसिलेवार और संरचना बनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और बाद में वे स्पेलिंग और प्रस्तुतिकरण पर काम कर सकते हैं।

उनके मसौदों से, अगले सीखने की योजना बनाएँ, जहाँ छात्र–छात्रा अपने लेखन में सुधार करके उसे पूरा करेंगे।

2 प्रतिपुष्ट (फीडबैक) देना

छात्र–छात्राओं के लेखन पर फीडबैक देते समय एक बार में केवल एक या दो पहलुओं पर ही ध्यान केंद्रित करें। इससे यह सुनिश्चित हो जाएगा कि वे अत्यधिक सुधारों के कारण निराश या अत्यधिक फीडबैक के कारण परेशान न हो जाएँ। पहले ड्राफ्ट पर फीडबैक देते समय छात्र–छात्राओं के संघटन के प्रयासों की तारीफ़ करना महत्त्वपूर्ण है। क्या उनके के पास कहानी के लिए कोई बढ़िया विचार था? क्या उन्होंने रोचक संवाद लिखे थे? क्या उन्होंने रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं को लिखना याद रखा था? क्या उन्होंने अंग्रेज़ी में लिखने का अच्छा प्रयास किया था?

लिप्यंतरण पर फीडबैक देने के लिए, उनके मसौदे पर चिह्नों से निशान लगाएँ और इनके अर्थ के बारे में पूरी कक्षा के साथ चर्चा करें। चित्र 3 में उदाहरण दर्शाए गए हैं।

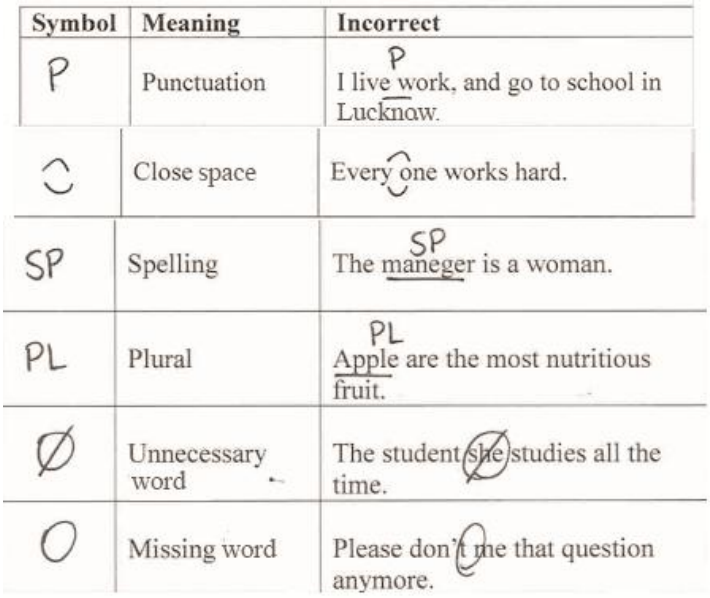

Symbol	Meaning	Incorrect
P	Punctuation	I live work, and go to school in Lucknow.
⌒	Close space	Every one works hard.
SP	Spelling	The maneger is a woman.
PL	Plural	Apple are the most nutritious fruit.
Ø	Unnecessary word	The student she studies all the time.
O	Missing word	Please don't me that question anymore.

चित्र 3: फीडबैक के लिए चिह्न।

भले ही आपकी कक्षा बड़ी हो, लेकिन यह महत्त्वपूर्ण है कि आप हर एक छात्र को अलग-अलग फीडबैक दें। फीडबैक देने या टिप्पणी करने का कोई एक तरीका नहीं है। इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि फीडबैक से लेखन के प्रति एक सकारात्मक दृष्टिकोण बने। अगले केस स्टडी में एक शिक्षिका तय करती हैं कि एक छात्र के लेखन पर फीडबैक किस तरह दिया जाए।

छात्र की प्रगति का मूल्यांकन करने और इसे दर्ज करने की विधियों के बारे में अधिक जानकारी के लिए संसाधन 1, 'अनुश्रवण करना और फीडबैक देना' देखें।

केस स्टडी 2: सुश्री आफरीन डिक्टेशन का आकलन करती हैं

सुश्री आफरीन एक सरकारी स्कूल में पढ़ाती हैं, जहाँ सभी बच्चे परिवार में स्कूल जाने वाली पहली-पीढ़ी के हैं।

मैंने छात्र–छात्राओं को पाठ्यपुस्तक से डिक्टेशन दिया। जब छात्र–छात्राओं ने अपना काम मुझे सौंपा, तो मैंने इसकी समीक्षा की और देखा कि दस वर्ष की एक लड़की ने 'pencil', 'rubber' और 'boxes' शब्दों की स्पेलिंग इस प्रकार लिखी थी:

- pensl
- rubr
- bokss.

मेरी पहली प्रतिक्रिया इन गलतियों को सुधारने की थी। लेकिन मैं देख सकती थी कि वह लड़की अंग्रेज़ी शब्दों की शुरूआती ध्वनियों को जानती थी। वह व्यंजन की ध्वनियों को पहचानती थी और वह जानती थी कि कुछ शब्द बड़े अक्षरों (capital letters) से शुरू होते हैं। वह अभी तक व्यंजनों के बीच आने वाले अंग्रेज़ी स्वरों की ध्वनियों में अंतर नहीं कर पाती थी। मैं देख सकती थी कि वह अंग्रेज़ी के अपने मौखिक ज्ञान का उपयोग करके स्पेलिंग लिखने का अच्छा प्रयास कर रही थी, हालांकि लेखन में यह हमेशा सही नहीं था, जैसा कि 'k' का उपयोग 'x' के लिए और 's' का 'c' के लिए करने से स्पष्ट होता है। मैं समझ गई कि अंग्रेज़ी वर्णों और ध्वनियों की उसकी मौजूदा समझ के आधार पर वह लेखन का अच्छा प्रयास कर रही थी।

मैंने उसके प्रयासों की तारीफ़ की। लेकिन साथ ही उसे कहा कि वह अपने लिखे को ध्यान से पढ़े और एक शब्दकोष का उपयोग करके अपनी स्पेलिंग की जाँच करे। मैंने उसे ज्यादा पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया क्योंकि वह अंग्रेज़ी में जितना

ज्यादा पढ़ेगी, उसकी अंग्रेज़ी स्पेलिंग भी उतनी ही बेहतर बनेगी।

मैं लेखन की त्रुटियों को अनदेखा नहीं करती हूँ और मैं छात्र–छात्राओं को प्रतिपुष्टि (फीडबैक) व सुधार बताती हूँ। लेकिन मैं यह देखने की कोशिश करती हूँ कि किस तरह उनकी गलतियों से मुझे उनकी विचार-प्रक्रिया और विकास के स्तर के बारे में संकेत मिल सकें। उनकी गलतियों से मुझे पता चलता है कि मुझे आगे किस बात की योजना बनानी चाहिए।

	Dictation के लिए SCERT, बिहार द्वारा विकसित Blossom part-4 के अधिकांष पाठों में “lets listen and write” देखें।

गतिविधि 2: त्रुटियाँ और आकलन

लेखन की त्रुटियों को मोटे तौर पर इस प्रकार श्रेणीबद्ध किया जा सकता है:

- चूक जिन्हें छात्र–छात्राओं को दिखाए जाने पर वे खुद इनमें सुधार कर सकते हैं
- ‘गलतफहमियां’ जिन्हें छात्र खुद नहीं सुधार सकते और शिक्षकों द्वारा इनके बारे में समझाया जाना आवश्यक होता है
- ‘प्रयास’ जहाँ छात्र–छात्रा कुछ करने की कोशिश करते हैं, लेकिन गलतियाँ हो जाती हैं क्योंकि उन्हें अभी आवश्यक भाषा-संबंधी कौशल या ज्ञान प्राप्त नहीं हुआ है।

छात्र–छात्राओं के लेखन के दो अंशों को देखें (चित्र 4 और 5)। उनमें चूकों, ‘गलतफहमियों’ या ‘प्रयासों’ में से किसके प्रमाण दिख रहे हैं? आपने इस इकाई के प्रारंभ में ‘संघटन’ (लेखक) और ‘लिप्यंतरण’ (सचिव) की जिन अवधारणाओं के बारे में पढ़ा था, उनके आधार पर आप लेखन का मूल्यांकन किस प्रकार करेंगे? आप प्रत्येक छात्र को प्रोत्साहित करने वाला फीडबैक देने के लिए उनसे क्या कहेंगे? अपने विद्यालय के अन्य शिक्षकों के साथ इन उदाहरणों के बारे में बात करें और मूल्यांकन व फीडबैक के लिए आपके विचारों की तुलना करें।

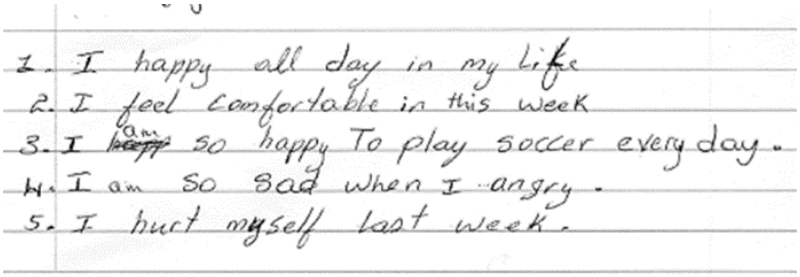
1. I happy all day in my life
2. I feel comfortable in this week
3. I ~~happy~~ am so happy To play soccer every day.
4. I am so sad when I angry.
5. I hurt myself last week.

चित्र 4 नौ वर्ष के एक लड़के को खुद के बारे में पाँच वाक्य लिखने को कहा गया है।

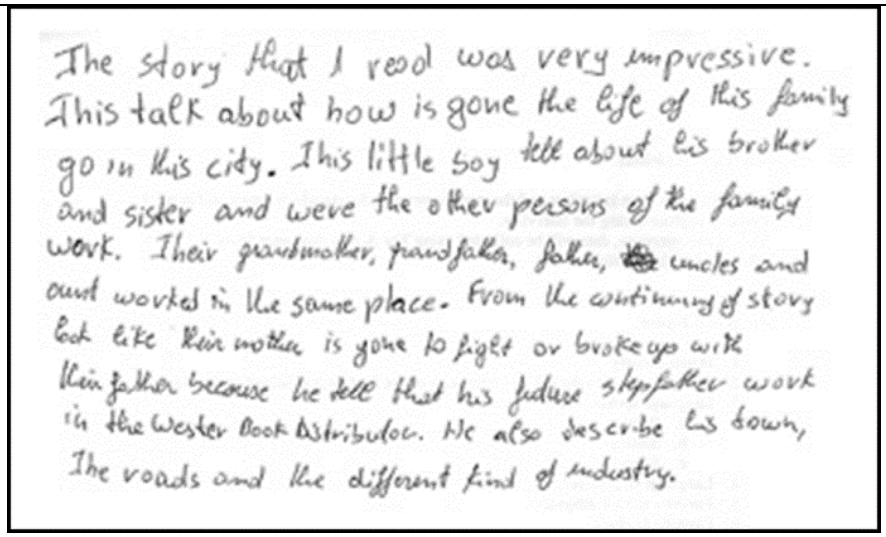
The story that I read was very impressive. This talk about how is gone the life of this family go in this city. This little boy tell about his brother and sister and weve the other persons of the family work. Their grandmother, grandfather, father, uncles and aunt worked in the same place. From the continuing of story look like their mother is gone to fight or broke up with their father because he tell that his future stepfather work in the Wester Book Distributor. He also describe his town, The roads and the different kind of industry.

चित्र 5: एक 12-वर्षीय लड़की से कहा गया था कि उसने जो पुस्तक पढ़ी थी, वह उसके पहले अध्याय के बारे में एक पैराग्राफ लिखे।

जब छात्र–छात्रा अंग्रेज़ी में बोलते और लिखते हैं, तो कभी-कभी वे उन अंग्रेज़ी शब्दों को छोड़ देते हैं, जो उनके घर की भाषा में नहीं हैं, उदाहरण के लिए 'a', 'the' या 'an' जैसे आर्टिकल। इस अवसर का उपयोग करते हुए अपने छात्र–छात्राओं से अन्य भाषा की तुलना में अंग्रेज़ी की संरचना में अंतर के बारे में बात करें।

अक्सर बहुभाषी लोग बोलते और लिखते समय भाषाओं को आपस में मिला देते हैं – यह बात पूरी दुनिया में बहुत आम है। आप छात्र–छात्राओं को इस स्वभाव के बारे में बताने के लिए ऐसे लोगों में से किसी को आमंत्रित कर सकते हैं

जो घर में अलग अलग बोलियाँ या भाषाएँ बोलते हैं, और वे आकर अपने घर की भाषा में किसी विषय के बारे में बोलेंगे, या अपने घर के भाषा में लिखकर इसे कक्षा को पढ़कर सुनाएँगे अथवा प्रदर्शित करेंगे। आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप इस पर कोई टिप्पणी न करें और न छात्र–छात्राओं द्वारा कोई टिप्पणी की जाए। इसका उद्देश्य केवल यह होना चाहिए कि छात्र–छात्रा खुद देख सकें कि भाषाओं का मिश्रण स्वाभाविक है और कभी-कभी अंग्रेज़ी का उपयोग करना ठीक वैसा है, जैसे किसी अन्य भाषा का उपयोग करना, जो भाषा उन्हें पहले से आती है। जिन गतिविधियों के द्वारा छात्र–छात्राओं के घर की भाषाएँ अंग्रेज़ी की कक्षा में आती हैं, उनसे अंग्रेज़ी में बोलने के बारे में उनकी बाधाओं को दूर करने में बहुत मदद मिलेगी और साथ ही अपने देश के समृद्ध बहुभाषी स्वरूप का स्वागत भी होगा।

वीडियो: अनुश्रवण करना और फीडबैक देना

3 लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए पढ़ना

छात्र–छात्रा अंग्रेज़ी में जितना ज्यादा सुनते हैं और पढ़ते हैं, उतना ही उनका अंग्रेज़ी लेखन बेहतर होगा। जब आप छात्र–छात्राओं को अंग्रेज़ी में बोलना और पढ़ना सिखाते हैं, तो आप उन्हें अंग्रेज़ी में लिखना भी सिखाते हैं। एक बार जब छात्र पढ़ने लगते हैं, तो वे लिखना भी शुरू कर सकते हैं। जब वे लिखने लगते हैं, तो वे अपने खुद के और दूसरों के लेखन को पढ़ना चाहेंगे। अंतिम केस स्टडी में, शिक्षक इस प्रक्रिया की प्रेरणा देने के नए तरीकों को आज़माते हैं।

केस स्टडी 3: श्री अरूण लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए पढ़ने से शुरुआत करते हैं

यह एक सरकारी स्कूल शिक्षक श्री अरूण अरूण द्वारा लिखे गए लेख से लिया गया उद्धरण है।

हमारी नई पाठ्यपुस्तक एक नया तरीका प्रस्तुत करने जा रही थी, जिसमें छात्र–छात्राओं को वर्णमाला के वर्ण पढ़ाकर शुरुआत करने और फिर उन्हें 'रटने' के लिए वर्ण लिखने को कहने के बजाय सीधे ही अंग्रेज़ी शब्दों और वाक्यों से उनका परिचय कराया जाने वाला था। लेखन को कोई विशेष महत्त्व नहीं दिया जाने वाला था। इसके बजाय छात्र–छात्राओं को अंग्रेज़ी सुनने, पढ़ने और बोलने के मौके दिए जाने वाले थे। इससे पहले पाठ्यपुस्तक में शुरुआती छह से आठ पन्ने अंग्रेज़ी वर्णमाला और इससे संबंधित चित्रों के लिए होते थे। इस नई पुस्तक के द्वारा अंग्रेज़ी लेखन की शुरुआत वर्णमाला से करने की यह परंपरा तोड़ी जाने वाली थी। एक पारंपरिक शिक्षक होने के कारण, मुझे इस बात की कल्पना करना भी कठिन लग रहा था कि वर्णों को लिखे बिना छात्र–छात्रा सीधे ही अंग्रेज़ी पढ़ पाने में कैसे सक्षम हो सकेंगे।

दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, मैंने प्रयोग करना तय किया। मैंने अपने छात्र–छात्राओं के बीच कुछ अंग्रेज़ी अखबार और बच्चों की पत्रिकाएँ वितरित कीं, ताकि हर कोई कम से कम तीन पन्नों को देख सके। मैंने बोर्ड पर एक अंग्रेज़ी शब्द लिखा। उदारहण के लिए, एक छात्र का नाम जयपाल था। मैंने बोर्ड पर उसका नाम लिखा। अब, जयपाल को जो अख़बार दिया गया था, उसे उसमें अंग्रेज़ी वर्ण 'J', 'A', 'I', 'P' और 'L' ढूँढकर उन पर गोल घेरा बनाना था। इसी तरह सभी छात्र–छात्राओं को उन्हें दिए गए अख़बार में अपने नामों में दिखने वाले वर्ण ढूँढने थे और उन पर गोल घेरा बनाना था।

छात्र–छात्राओं को अपने नामों में आने वाले वर्ण ढूँढने में बहुत मज़ा आया। उन्हें खासतौर पर तब आश्चर्य हुआ, जब उन्हें अखबार में अंग्रेज़ी में अपना पूरा नाम दिखाई दिया और वे पूरे शब्द पर गोल घेरा बना सके। इस अभ्यास का उद्देश्य छात्र–छात्राओं को शब्दों से वर्णों पर ले जाना था और ऐसा सफलतापूर्वक हो गया। मुझे यह देखकर अचंभा हुआ कि जो छात्र–छात्रा कुछ महीनों पहले तक अंग्रेज़ी वर्णों को पहचान नहीं पाते थे, किस तरह वे अखबारों और पत्रिकाओं में वर्णों और शब्दों के उदाहरणों को ढूँढ पाने में सक्षम थे। अख़बार के इस अभ्यास से मुझे अहसास हुआ कि अंग्रेज़ी पढ़ना छात्र–छात्राओं के लिए मज़ेदार बनाया जा सकता है। एक शिक्षक होने के नाते, मेरे लिए सबसे महत्त्वपूर्ण यह देखना था कि जब छात्र–छात्रा अंग्रेज़ी पढ़ने लगे; तो वे अंग्रेज़ी लिखना शुरू करने के लिए भी उत्साहित थे।

(भट्ट, 2009 से लिया गया)

	Letters को ढूँढ़ने, पहचानने एवं पढ़ने की गतिविधियाँ SCERT, बिहार द्वारा विकसित Blossom part-I के lesson-12 से lesson-20 तक हैं।

ज़रा सोचिए

- क्या आप श्री अरूण के इस निष्कर्ष से सहमत हैं कि सुनना, बोलना और पढ़ना अंग्रेज़ी लिखने से पहले किया जाना चाहिए? क्यों या क्यों नहीं?
- भारत में, माध्यमिक विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने अपनी पूर्व प्राथमिक कक्षाओं से ही अंग्रेज़ी पढ़ी है – लेकिन उनमें से अधिकांश छात्र–छात्रा सरल शब्दों को भी पढ़ पाने में असमर्थ हैं, फिर अंग्रेज़ी वाक्य लिखना तो दूर की बात है। आपके अनुसार श्री अरूण की अखबार गतिविधि इस समस्या को कैसे सुलझाती है?
- क्या आपको लगता है कि आप उपरोक्त अखबार गतिविधि अपने छात्र–छात्राओं के साथ आज़माकर

देख सकते हैं? यदि आपके पास अंग्रेज़ी अख़बार उपलब्ध नहीं हैं, तो क्या आप कई तरह की अंग्रेज़ी पाठ्यपुस्तकों का उपयोग करके इस गतिविधि को आज़मा सकते हैं?

गतिविधि 3: लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए पढ़ना – एक योजना–निर्माण गतिविधि

संसाधन 2 की गतिविधियों को पढ़ें। इनमें से प्रत्येक गतिविधि में पढ़ना और लिखना आपस में जुड़े हुए हैं।

- कोई एक गतिविधि चुनें, जो आपको लगता है कि आप अपनी कक्षा के साथ आज़मा सकते हैं।
- आप इस गतिविधि से छात्र–छात्राओं द्वारा तैयार किए गए लेखन का मूल्यांकन किस प्रकार करेंगे?
- आप संघटन पर कितना ध्यान देंगे और लिप्यंतरण पर कितना ध्यान देंगे?
- क्या आपको लगता है कि पढ़ने और लिखने के बीच संबंध जोड़ना महत्त्वपूर्ण है?

4 सारांश

यह इकाई इस बात पर केंद्रित है कि आप किस प्रकार अंग्रेज़ी लेखन में प्रगति करने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद कर सकते हैं और अंग्रेज़ी में लेखन के उनके प्रयासों का मूल्यांकन किस प्रकार कर सकते हैं। यह आवश्यक नहीं है कि अंग्रेज़ी में लिखना शुरू करने के लिए छात्र–छात्रा अंग्रेज़ी व्याकरण में बोलने में कुशल हों या बिलकुल सही अंग्रेज़ी स्पेलिंग लिखने का तरीका जानते ही हों। ड्राफ्टिंग और लेखन के अवसर बार-बार मिलने पर, छात्र–छात्रा अंग्रेज़ी स्पेलिंग और वाक्य संरचना का अभ्यास करेंगे।

प्रारंभिक अंग्रेज़ी हेतु इस विषय पर अन्य शिक्षक विकास इकाईयाँ हैं:

- *शिक्षण परिवेश।*
- *चिन्ह लगाना और प्रारंभिक लेखन।*

संसाधन

संसाधन 1: अनुश्रवण करना और फीडबैक देना

छात्र–छात्राओं का प्रदर्शन सुधारने के लिए लगातार अवलोकन करने और उन्हें उत्तर देने की ज़रुरत होती है, ताकि वे जान सकें कि उनसे क्या अपेक्षित है और काम पूरे करने के बाद उन्हें प्रतिक्रिया मिले। आपकी रचनात्मक प्रतिक्रिया से वे अपना प्रदर्शन सुधार सकते हैं।

अनुश्रवण करना

प्रभावी शिक्षक अधिकांश समय अपने छात्र–छात्राओं का अनुश्रवण करते हैं। आमतौर पर, ज्यादातर शिक्षक छात्र–छात्राओं की बातें सुनकर और कक्षा में वे क्या कर रहे हैं, इसका अवलोकन करके उनके कार्य का अनुश्रवण करते हैं। छात्र–छात्राओं की प्रगति का अनुश्रवण करना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें इन कामों में मदद मिलती है:

- ऊँचे ग्रेड हासिल करना
- अपने प्रदर्शन के बारे में अधिक सजग बनना और अपने सीखने के बारे में ज्यादा ज़िम्मेदार बनना
- अपने सीखने–सिखाने में सुधार करना
- प्रादेशिक और स्थानीय standardized exams में achievement का पूर्वानुमान लगाना।

एक शिक्षक के रूप में इससे आपको भी यह तय करने में मदद मिलेगी कि:

- कब एक प्रश्न पूछना है या एक संकेत देना है

- कब प्रशंसा करनी है
- कब चुनौती देनी है
- एक कार्य में छात्र–छात्राओं के अलग अलग समूहों को कैसे शामिल करना है
- गलतियों के लिए क्या करना है।

जब छात्र–छात्राओं को उनकी प्रगति के बारे में एक स्पष्ट और त्वरित प्रतिक्रिया दी जाती है, तब उनमें सबसे ज्यादा सुधार होता है। अनुश्रवण का उपयोग करने से आप नियमित रूप से प्रतिक्रिया देने में सक्षम होंगे, जिससे आपके छात्र–छात्राओं को यह पता चलेगा कि उनका प्रदर्शन कैसा है और अपने शिक्षण को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें और क्या करना होगा।

आपको जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा, उनमें से एक यह है कि छात्र–छात्राओं की सहायता किस प्रकार की जाए, जिससे वे अपने स्वयं के सीखने के लक्ष्य निर्धारित कर सकें, जिसे स्वतः-निरीक्षण भी कहा जाता है। छात्र–छात्राओं को, खासतौर पर जिन्हें पढ़ने में कठिनाई हो रही है, अपने सीखने का नियंत्रण अपने ही पास रखने की आदत नहीं होती है। लेकिन आप किसी भी छात्र की मदद कर सकते हैं, जिससे वे किसी परियोजना के लिए अपने लक्ष्य या ध्येय खुद तय कर सकें, अपने कार्य की योजना बना सकें और अंतिम तिथियाँ निर्धारित कर सकें तथा अपनी प्रगति का निरीक्षण खुद कर सकें। इस प्रक्रिया का अभ्यास करने और स्वतः निरीक्षण के कौशल पर महारत हासिल करने से उन्हें विद्यालय में और अपने पूरे जीवन में ही बहुत मदद मिलेगी।

छात्र–छात्राओं की बात सुनना और अवलोकन करना

अधिकांशतः शिक्षक स्वाभाविक रूप से छात्र–छात्राओं को सुनते और उनका अवलोकन करते हैं; यह अनुश्रवण करने का एक सरल साधन है। उदाहरण के लिए आप:

- अपने छात्र–छात्राओं को ऊँची आवाज में पढ़ते समय सुन सकते हैं
- जोड़ियों या समूह कार्य में चर्चाओं को सुन सकते हैं
- कक्षा में या बाहर उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने में छात्र–छात्राओं का अवलोकन कर सकते हैं
- जब समूह कार्य कर रहे हों, तब उनकी देहभाषा (body language) का अवलोकन कर सकते हैं।

सुनिश्चित करें कि आप जो अवलोकन एकत्रित करते हैं, वे छात्र–छात्रा के सीखने या प्रगति के वास्तविक प्रमाण हैं। केवल वही लिखें, जो आप देख सकते हैं, सुन सकते हैं, निर्धारित कर सकते हैं या गिन सकते हैं।

जब छात्र–छात्रा काम कर रहे हों, तब अपनी कक्षा में चारों ओर अवलोकन की संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखें। आप एक कक्षा सूची का उपयोग करके यह दर्ज कर सकते हैं कि किन छात्र–छात्राओं को अधिक मदद की ज़रुरत है और यदि कोई गलतफहमी उभर रही है, तो उसे भी दर्ज कर सकते हैं। आप इन अवलोकनों और टिप्पणियों का उपयोग पूरी कक्षा को प्रतिक्रिया देने या समूहों या व्यक्तियों को आगे बढ़ाने और प्रोत्साहन देने के लिए कर सकते हैं।

प्रतिक्रिया देना

प्रतिक्रिया वह जानकारी होती है, जो आप एक छात्र को एक वर्णित लक्ष्य या अपेक्षित परिणाम के संबंध में उनके प्रदर्शन के बारे में देते हैं। प्रभावी ढंग से दी गई प्रतिक्रिया छात्र–छात्राओं को यह देती है:

- क्या हुआ है इसकी जानकारी
- कोई क्रिया या कार्य कितनी अच्छी तरह किया गया इसका मूल्यांकन
- इस बारे में मार्गदर्शन कि उनका प्रदर्शन किस प्रकार सुधारा जा सकता है।

जब आप प्रत्येक छात्र को प्रतिक्रिया देते हैं, तो इससे उन्हें यह जानने में मदद मिलनी चाहिए कि:

- वे वास्तव में क्या कर सकते हैं?
- वे अभी तक क्या नहीं कर सकते?
- दूसरों की तुलना में उनका काम कैसा है?
- वे इसमें सुधार कैसे कर सकते हैं?

यह याद रखना महत्त्वपूर्ण है कि प्रभावी ढंग से दी गई प्रतिक्रिया से छात्र–छात्राओं को मदद मिलती है। आप नहीं चाहेंगे कि आपकी प्रतिक्रिया अस्पष्ट या पक्षपाती हो, जिससे छात्र–छात्रा सीखना बंद कर दें। प्रभावी प्रतिक्रिया इस प्रकार की होती है:

- **केंद्रित** उन कामों पर जो किए जा रहे हैं और इस पर कि छात्र–छात्राओं को क्या सीखना होगा
- **स्पष्ट और ईमानदार**, जो छात्र–छात्राओं को यह बताती है कि उनके सीखने के तरीके में क्या अच्छा है और किसमें सुधार ज़रूरी है
- **कार्यवाही के योग्य**, जो छात्र–छात्राओं से कुछ ऐसा करने को कहती है, जिसे वे कर पाने में सक्षम हैं
- इस तरह दी जाती है कि **उसकी भाषा उपयुक्त हो,** ताकि छात्र–छात्रा उसे समझ सकें
- इसे हमेशा **सही समय पर दी जानी चाहिए –** यदि यह बहुत जल्दी दी जाती है, तो छात्र–छात्राओं को लगेगा कि 'मैं तो बस ये करने ही वाला था!'; अगर बहुत देर से दी जाती है, तो छात्र–छात्राओं का ध्यान कहीं और चला जाएगा और वे वापस जाकर वह नहीं कर सकेंगे, जो करने को कहा गया है।

प्रतिक्रिया चाहे मौखिक हो, या छात्र–छात्राओं की वर्कबुक में लिखकर दी जाए, लेकिन यदि इसके लिए निम्नलिखित दिशार्निदेशों का पालन किया जाता है, तो यह अधिक प्रभावी बन जाती है।

प्रशंसा और सकारात्मक भाषा का उपयोग करना

जब हमारी प्रशंसा की जाती है और हमें प्रोत्साहित किया जाता है तो आमतौर पर हम उस समय के मुकाबले काफी अधिक बेहतर महसूस करते हैं, जबकि हमारी आलोचना की जाती है या हमारी गलती सुधारी जाती है। सुदृढ़ीकरण और सकारात्मक भाषा समूची कक्षा और सभी उम्र के व्यक्तियों के लिए प्रेरणादायक होती है। याद रखें कि प्रशंसा विशिष्ट और कार्य पर लक्षित होनी चाहिए, न कि स्वयं छात्र पर, अन्यथा इससे छात्र को प्रगति में मदद नहीं मिलेगी। 'बहुत बढ़िया' कहना विशिष्ट नहीं है, इसलिए निम्नलिखित में से कुछ कहना बेहतर होता है:

संकेत देने के साथ-साथ सुधार का उपयोग करना

आप अपने छात्र–छात्राओं के साथ जो बातचीत करते हैं, उससे उन्हें सीखने में मदद मिलती है। यदि आप उन्हें बताते हैं कि कोई उत्तर गलत है और आप बात वहीं ख़त्म कर देते हैं, तो आप सोचने और कोशिश करने में उनकी मदद करने का मौका गँवा देंगे। यदि आप छात्र–छात्राओं को कोई संकेत देते हैं और उनसे आगे एक प्रश्न पूछते हैं, तो इससे आप उन्हें ज्यादा गहराई में सोचने के लिए आगे बढ़ाते हैं उन्हें उत्तर ढूँढने तथा उनके खुद के सीखने के लिए ज़िम्मेदारी उठाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। उदहारण के लिए, आप इस तरह की बातें बोलकर एक बेहतर उत्तर के लिए प्रोत्साहन दे सकते हैं या समस्या के किसी अलग पहलू की तरफ संकेत दे सकते हैं:

दूसरे छात्र–छात्राओं को एक दूसरे की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करना उपयुक्त हो सकता है। आप इस तरह की टिप्पणियों के साथ अपने सवाल शेष कक्षा के साथ पूछकर यह काम कर सकते हैं:

'हाँ' या 'नहीं' कहकर छात्र–छात्राओं के उत्तर सुधारना स्पेलिंग या संख्या अभ्यास जैसे कार्यों के लिए उपयुक्त हो सकता है, लेकिन इसके बावजूद भी यहाँ आप छात्र–छात्राओं को उनके उत्तरों में उभरने वाले पैटर्न देखने, उसी तरह के उत्तरों के साथ संबंध जोड़ने या इस बारे में चर्चा करने के लिए आगे बढ़ा सकते हैं कि कोई विशिष्ट उत्तर क्यों गलत है।

स्वतः सुधार और अपने सहपाठी के द्वारा सुधार अधिक प्रभावी होते हैं। वास्तव में कक्षा में अपने सहपाठी द्वारा एक–दूसरे की भूल को सुधारने को कहना अधिक प्रभावी एवं प्रोत्साहित करने वाला होता है। इसमें किसी प्रकार का संशय नहीं रहता है क्योंकि सुधार एक समझ के आधार पर किया जाता है।

संसाधन 2: लेखन को विकसित करने के लिए गतिविधियाँ (Resource 2: Activities to develop writing)

1. कहानी से एक पात्र का चित्र बनाएँ। (Draw a picture of a character from a story.) यह आपकी पाठ्यपुस्तक से, या किसी ऐसी कहानी से हो सकता है, जो सबको अच्छी तरह मालूम हो। (It could be from your textbook, or from a story everyone knows well.) इसके बारे में अंग्रेज़ी में पाँच या छः वाक्य लिखें। (Write five or six sentences in English about it.)
2. दिए गए अव्यवस्थित वाक्यों को फिर से लिखकर एक सार्थक पैराग्राफ बनाएँ। (Rewrite the jumbled sentences provided, to make a meaningful paragraph.)
3. किसी भी विषय पर हाल ही में पढ़े गए किसी पाठ का सारांश बताने वाला एक पैराग्राफ लिखें और इसे समझाएँ। (Write a paragraph summarising a recent lesson in any topic and illustrate it.)

4. एक कहानी या कविता पर आधारित एक बुकमार्क बनाएँ। (Make a bookmark based on a story or a poem.) बुकमार्क में एक तरफ एक पात्र का चित्र बनाएँ या संक्षिप्त सारांश लिखें। (Draw a character or write a brief summary on one side of the bookmark.) दूसरी तरफ कहानी का शीर्षक और लेखक का नाम लिखें। (On the other, write the title of the story and the name of the author)
5. पुस्तक के लेखक को एक पत्र लिखें। (Write a letter to the author of a book.) (यदि लेखक जीवित हैं, तो आप अपने राज्य के पाठ्यपुस्तक निगम से उनका पता ढूँढने की कोशिश कर सकते हैं और छात्र–छात्राओं के कुछ पत्र उन्हें भेज सकते हैं।) (If the author is living, you can try to find the address from your state textbook society and post them some of the students' letters)
6. (बड़ी उम्र वाले छात्र–छात्राओं के लिए) छोटी कक्षाओं के छात्र–छात्राओं की एक कहानी पर आधारित बड़ी पुस्तक बनाएँ। ((For older students) Make a big book based on a story for students in lower classes)
7. किसी भी विषय पर हाल ही में सिखाए गए किसी पाठ पर आधारित कम से कम दस प्रश्नों वाली एक अंग्रेज़ी प्रश्नावली तैयार करें। (Set an English quiz with at least ten questions based on a recent lesson on any topic.) इससे सीखने–सिखाने की प्रक्रिया को सशक्त बनाने और लेखन का अभ्यास करने में मदद मिलती है। (This helps to reinforce learning as well as to practise writing.) अब छात्र–छात्राओं ने प्रश्नावली सुलझाने का प्रयास कर लिया है, तो उनसे पेपरों की अदलाबदली करने और एक-दूसरे का काम जाँचने को कहें। (After they have tried the quiz, ask the students to exchange papers and check each other's work.)
8. छात्र–छात्राओं को एक कहानी सुनाएँ, लेकिन उन्हें इसका अंत न बताएँ। (Tell the students a story but do not tell them the ending.) उनसे कहें कि वे अनुमान लगाएँ और लिखें कि आगे क्या हुआ होगा। (Ask them to guess what happened at the end and write it down.) याद रखें कि कहानी के मामले में कोई भी अंत सही या गलत नहीं होते। (Remember that there are no right or wrong endings to a story)
9. छात्र–छात्राओं से कक्षा में कोई छोटी-सी वस्तु जैसे पेन्सिल, बॉक्स, पत्ता आदि लाने को कहें। कक्षा को पाँच या छः के समूहों में बाँटें। (Ask the students to bring one small object to the class, such as a pencil, box, leaf, etc. Divide the class into groups of five or six.) उनके द्वारा लाई गई सारी वस्तुएँ समूह के केंद्र में रखी जाती हैं। (All the things they brought are placed in the centre of the group.) दस मिनट की सीमा में, प्रत्येक समूह उनके द्वारा लाई गई वस्तुओं पर आधारित एक संभावित कहानी पर चर्चा करता है। (With a limit of ten minutes, each group discusses a possible story based on the objects they have brought.) इसके बाद वे कहानी लिख सकते हैं (जो कम से कम पाँच से छः लाइनों की होनी चाहिए)। (They then write out the story (which should be a minimum of five to six lines long).) प्रत्येक समूह से कोई एक छात्र कक्षा को वह कहानी पढ़कर सुनाता है। (One student from each group narrates the story to the class) सर्वश्रेष्ठ कहानी वह होगी, जिसमें उस समूह द्वारा लाई गई सभी वस्तुएँ शामिल हैं। (The best story is the one that includes all the objects the group had brought in.)
10. कक्षा को पाँच के समूहों में बाँटें। (Divide the class into groups of five.) प्रत्येक समूह के पास लिखने के लिए एक कागज़ और कम से कम के पेन्सिल होनी चाहिए। (Each group has one piece of paper to write on, and at least one pencil.) कोई भी पूर्व चर्चा किए बिना, समूह को एक कहानी तैयार करनी चाहिए, जिसमें समूह का प्रत्येक छात्र एक बार में एक वाक्य जोड़े। (Without prior discussion, the group should come up with a story, with each student in the group contributing one sentence at a time.) प्रत्येक समूह में शुरुआत करने के लिए 'स्टार्टर' के रूप में एक छात्र को चुनें। (Without prior discussion, the group should come up with a story, with each student in the group contributing one sentence at a time.) स्टार्टर कागज़ पर एक वाक्य लिखता है, और कागज़ अब समूह के अगले छात्र के पास जाता है। (The starter writes one sentence

on the piece of paper, which now goes to the next student in the group.) अगला छात्र अब एक और वाक्य लिखता है, जो पहले से मौजूद वाक्य से जुड़ा होना चाहिए। (The second student contributes a sentence that combines with the one already there.) यह कागज़ लगातार समूह में घूमता रहता है, जब तक कहानी पूरी न हो जाए। (The paper keeps going around until the story is complete.) कोई भी किसी भी समय यह तय कर सकता है कि कहानी अब आगे प्रगति नहीं कर सकती। (Anyone can decide at any point that the story cannot progress any more.) यदि अन्य लोग सहमत हों, तो समूह एक नई कहानी का नया वाक्य – या पहली कहानी का अगला अध्याय – लिखने के लिए किसी अन्य स्टार्टर को चुनता है! (Anyone can decide at any point that the story cannot progress any more.)

अतिरिक्त संसाधन

- RVEC Bangalore: http://www.rvec.in/
- Teachers of India classroom resources: http://www.teachersofindia.org/en

सन्दर्भ

Bhatt, H. (2009) 'Reading and learning: my experiments in my village school', *Learning Curve*, no. 13, pp. 34–6. Available from: https://www.yumpu.com/en/document/view/9502104/learning-curve-issue-xiii-azim-premji-foundation/35 (accessed 8 July 2014).

Dombey, H. and Moustafa, M. (1998) *Whole to Part Phonics: How Children Learn to Read and Spell*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Graham, J. and Kelly, A. (2012) *Reading under Control: Teaching Reading in the Primary School*, 3rd edn. London: Routledge.

Graves, D. (1994) *A Fresh Look at Writing*. Portsmouth: Heinemann.

Graves, D. (2003) *Writing: Teachers and Children at Work*. Portsmouth: Heinemann.

O'Sullivan, O. (2007) *Understanding Spelling*. London: Centre for Literacy in Primary Education.

Smith, F. (1994) *Writing and the Writer*. London: Routledge.

अभिस्वीकृतियाँ

तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन-शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/)। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा लाइसेंस के अंतर्गत ही इस प्रोजेक्ट में उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons Licence से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि यह सामग्री अपरिवर्तित रूप से केवल TESS-India प्रोजेक्ट में ही उपयोग की जा सकती है और यह किसी अनुवर्ती OER संस्करणों में उपयोग नहीं की जा सकती। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस इकाई में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतारूपी आभार किया जाता है:

चित्र 3: मैथिलि रामचंद द्वारा दिया गया। (Figure 3: provided by Mythili Ramchand.)

चित्र 4 और 5: http://esol.coedu.usf.edu/ से उद्धृत। (Figures 4 and 5: extract from http://esol.coedu.usf.edu/.)

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन यूनिवर्सिटी के साथ काम किया है।